दैनिक जागरण

बरेली, रविवार
7 अप्रैल 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 24+4=28

Page No :04 Middle

ट्रिपल पी मॉडल पर मजबूत हो सकती है चिकित्सा शिक्षा

जासं, बरेली : संसाधनों व चिकित्सक शिक्षकों की कमी से जूझ रही चिकित्सा

शिक्षा को ट्रिपल पी यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के मॉडल से बेहतर किया जा सकता है। सरकारी संस्थानों में चिकित्सकीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए बजट में इजाफा करना होगा। कुछ अच्छा काम करने वाले प्राइवेट संस्थानों को भी प्रोत्साहन देना चाहिए। यह कहना है किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति प्रो. मदन लाल ब्रह्म भट्ट का। एक कार्यक्रम में शिरकत करने आए प्रो. मदन लाल ने दैनिक जागरण से बातचीत में चिकित्सा शिक्षा की चुनौती के सवाल पर कहा कि सरकारी संस्थानों में चिकित्सक शिक्षकों व संसाधनों की कमी है। अन्य देश चिकित्सा शिक्षा पर अधिक खर्च करते है। जबकि भारत में एक से डेढ़ प्रतिशत ही चिकित्सा शिक्षा पर खर्च होता है। जिसे बढ़ाया जाना चाहिए। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप से संसाधन जुटाए जा सकते है। अच्छे चिकित्सक शिक्षक भी मिल सकते है। जिनके उपयोग से रिसर्च के लिए संसाधनों की बेहतर सुविधा छात्र-छात्राओं को प्रदान की जा सकती है। चिकित्सा शिक्षा की तस्वीर को बदला जा सकता है।